जामुन

हरा से लाल
लाल से काला
खाये चाहनेवाला
सफेद है पल्प
इनका नहीं है
कोई बिकल्प
जिभ हो निला
नहीं है फल रसीला
पेड़ है गठीला
लम्बा चले लकड़ी
दिखे चमकीला
नमक संग खाओ
तो मिले आराम
कोई तो बताओ
मेरा नाम।
मैं हुँ जामुन
रखता हुँ कई गुण
समय पर खाओ
हरि गुण गाओ।।

लेखक एवं पेषकः- अमर नाथ साहु